# स्थिर प्रदर्शन वाले फंड पोर्टफोलियो का अहम हिस्सा

## टाटा इक्विटी

2007 से अपने वर्ग में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले फंडों में यह एक रहा है। धातु, ऊर्जा और वित्त जैसे आक्रामक क्षेत्रों में निवेश की मदद से फंड ने श्रेणी औसत 60 के मुकाबले 84 फीसदी का शानदार प्रतिफल दिया है। अगले साल श्रेणी के समान ही फंड का भी नुकसान हुआ। 2008 में धातु, ऊर्जा और वित्त क्षेत्र में निवेश की मदद से फंड धारा के विरुद्ध जाने में कामयाब रहा। मेटल में फंड ने उन कंपनियों के शेयर खरीदें जिन पर बहुत ज्यादा कर्जभार नहीं है और जिनके खाते में अच्छी नकदी मौजूद है। इसी तरह, वित्त के मामले में लाभांश आमदनी और प्राइस-टू-बुक रेशियो की सुरक्षा थी। 2009 में फंड ने श्रेणी को 21 फीसदी के शानदार अंतर से पछाड़ा। जून तक नकदी को 2 फीसदी के मामूली स्तर तक घटाने से यह प्रदर्शन हासिल हुआ। साथ ही मई से अगस्त के बीच तकनीकी खासतौर से दूसरे क्रम की कंपनियों में सही समय पर निवेश ने फंड को फायदा दिया। फंड ने जरूरत के हिसाब से लार्ज-कैप शेयरों में निवेश कम कर मिड-कैप में बढ़त का भी फायदा उठाया। मगर फंड ने अनिवार्य रूप से शुद्ध परिसंपत्ति का 70 फीसदी हिस्सा ऐसे शेयरों में लगाया है जिनका प्राइस-टू-अर्निंग रेशियो (पीई) निवेश के समय सेंसेक्स से कम हो। पर, फंड पूरी तरह से मूल्यांकन पर आधारित नहीं है। फंड प्रबंधन का जोर कम पीई अनुपात की ओर रहा है, लेकिन ऐसे नहीं है कि जब यह बढ़ा हो, तो शेयरों को छोड़ दिया गया हो। बाकी 30 फीसदी निवेश में हाथ खुले रखे गए हैं। फंड का विशाखित पोर्टफोलियो शेयर विशेष को लेकर ज्यादा आक्रामक नजर नहीं आता है, हालांकि क्षेत्रीय रूप से ज्यादा निवेश फंड की विशेषता रही है। फंड ने हर उस जगह पैसे लगाए हैं जहां अच्छा मूल्यांकन नजर आया है। यह फंड का सही चयन बनाता है।

**Trailing Returns**

| Period | Return (%) |
|---|---|
| 3-month | 9.38 |
| 6-month | 13.22 |
| 1-year | 29.38 |
| 3-year | 14.79 |
| 5-year | 21.65 |

*Returns as on September 1, 2010*

*Source: Business Standard, Dtd 06-09-2010*